नईदुनिया

अश्लीलता वही, जो कामुकता को बढ़ावा दे या समाज को दूषित करने की प्रवृत्ति रखे

हर अभद्र शब्द अश्लीलता नहीं: सुप्रीम कोर्ट

नईदुनिया ब्यूरो, नई दिल्ली: सुप्रीम कोर्ट ने स्पष्ट किया है कि गाली-गलौज अथवा अभद्र भाषा का प्रयोग हर स्थिति में अश्लीलता की श्रेणी में नहीं आता। न्यायमूर्ति संजय करोल और न्यायमूर्ति विपुल एम. पंचोली की पीठ ने कहा कि किसी शब्द को तभी अश्लील माना जा सकता है, जब वह कामुकता को बढ़ावा देता हो अथवा लोगों के नैतिक आचरण को दूषित करने की प्रवृत्ति रखता हो। न्यायालय ने यह टिप्पणी तमिलनाडु के एक भूमि विवाद से जुड़े प्रकरण की सुनवाई के दौरान की।

मामले के अनुसार वर्ष 2017 में भूमि विवाद के दौरान आरोपी ने शिकायतकर्ता के साथ गाली-गलौज की थी। शिकायतकर्ता का आरोप था कि आरोपी ने जातिसूचक शब्दों का भी प्रयोग किया और बाद में घर से हथियार लाकर हमला किया, जिससे उसकी नाक की हड्डी टूट गई। निचली अदालत ने आरोपी को अश्लीलता, गंभीर चोट पहुंचाने और आपराधिक धमकी के आरोप में दोषी ठहराया था।

सुप्रीम कोर्ट ने अश्लीलता तथा आपराधिक धमकी के आरोपों से आरोपी को राहत देते हुए कहा कि केवल गाली देने से किसी को सार्वजनिक रूप से परेशानी या अश्लीलता का अपराध सिद्ध नहीं हो जाता। न्यायालय ने माना कि इस मामले में अश्लीलता के अपराध के आवश्यक तत्व सिद्ध नहीं हुए हैं। हालांकि, शिकायतकर्ता को गंभीर चोट पहुंचाने के अपराध में दोषसिद्धि और सजा को बरकरार रखा गया।

पीठ ने आरोपी की लगभग 70 वर्ष की आयु तथा स्वास्थ्य संबंधी परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए उसकी सजा घटाकर न्यायालय उठने तक की कारावास कर दी। साथ ही, आरोपी को दो माह के भीतर 50 हजार रुपये का जुर्माना जमा करने का निर्देश भी दिया गया।

इसी बीच, हाल ही में उच्चतम न्यायालय में न्यायालय की गरिमा से जुड़ी एक अन्य घटना भी चर्चा में रही। 10 जुलाई को सुनवाई के दौरान एक अधिवक्ता ने प्रधान न्यायाधीश सूर्यकांत के संबंध में अपशब्द कहे और न्यायालय कक्ष में फाइल फेंक दी। उस समय प्रधान न्यायाधीश न्यायालय कक्ष में उपस्थित नहीं थे। न्यायालय के निर्देश पर सुरक्षा कर्मियों ने अधिवक्ता को तत्काल बाहर कर दिया और बाद में पूछताछ के लिए पुलिस के हवाले कर दिया गया।

सुप्रीम कोर्ट के इतिहास में न्यायालय कक्ष में अभद्र व्यवहार की घटनाएं अत्यंत विरल रही हैं। वर्ष 1999 में तत्कालीन प्रधान न्यायाधीश ए.एस. आनंद की पीठ के समक्ष एक अधिवक्ता द्वारा जूता फेंकने का मामला सामने आया था, जबकि वर्ष 2025 में प्रधान न्यायाधीश बी.आर. गवई की ओर जूता फेंकने की घटना भी दर्ज की गई थी।

देश में 820 चिकित्सा महाविद्यालय, एमबीबीएस की 1.29 लाख सीटें

नईदुनिया ब्यूरो, भुवनेश्वर: केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण राज्य मंत्री अनुप्रिया पटेल ने कहा है कि देश में अब 820 चिकित्सा महाविद्यालय, एमबीबीएस की लगभग 1.29 लाख सीटें तथा स्नातकोत्तर चिकित्सा शिक्षा की लगभग 85 हजार सीटें उपलब्ध हैं। इससे चिकित्सा शिक्षा के अवसर बढ़े हैं और देश की स्वास्थ्य सेवाओं को सुदृढ़ करने में सहायता मिल रही है। वह अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, भुवनेश्वर के छठे दीक्षांत समारोह को संबोधित कर रही थीं। उन्होंने कहा कि गैर-संचारी रोगों के लिए भारत का जनसंख्या आधारित जांच कार्यक्रम विश्व की सबसे बड़ी रोग-निवारक स्वास्थ्य सेवा पहलों में शामिल है। इस कार्यक्रम के अंतर्गत 30 वर्ष या उससे अधिक आयु के प्रत्येक व्यक्ति की पांच प्रमुख स्वास्थ्य समस्याओं की जांच की जाती है। इनमें मधुमेह, उच्च रक्तचाप, मुख का कैंसर, स्तन कैंसर तथा गर्भाशय ग्रीवा का कैंसर शामिल हैं। उन्होंने इसे निवारक स्वास्थ्य देखभाल की दिशा में देश की महत्वपूर्ण उपलब्धि बताया। अनुप्रिया पटेल ने कहा कि बढ़ते गैर-संचारी रोगों को देखते हुए स्वास्थ्यकर्मियों को केवल उपचार तक सीमित न रहकर रोगों की रोकथाम और समय पर पहचान को भी प्राथमिकता देनी चाहिए। उन्होंने बताया कि सामुदायिक स्तर पर व्यापक प्राथमिक स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने के लिए देशभर में 1.84 लाख आयुष्मान आरोग्य मंदिर स्थापित किए जा चुके हैं।

उन्होंने कहा कि आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना के माध्यम से लाखों लोगों को सुलभ और किफायती स्वास्थ्य सेवाएं मिल रही हैं।

वरिष्ठ नेता आजम खान की दो वर्ष की सजा बरकरार

- चुनावी सभा में अधिकारियों पर विवादित टिप्पणी के मामले में जिला न्यायालय ने अपील खारिज की

नईदुनिया ब्यूरो, रामनगर: समाजवादी पार्टी के वरिष्ठ नेता आजम खान को चुनावी सभा के दौरान अधिकारियों पर विवादित टिप्पणी करने के मामले में राहत नहीं मिली है। जिला न्यायालय ने निचली अदालत के फैसले को बरकरार रखते हुए उनकी अपील खारिज कर दी। इससे पहले 16 मई को विशेष जनप्रतिनिधि न्यायालय ने उन्हें इस प्रकरण में दो वर्ष के कारावास की सजा सुनाई थी।

यह मामला वर्ष 2019 के लोकसभा चुनाव के दौरान दिए गए एक भाषण से जुड़ा है। उस समय आजम खान रामपुर से समाजवादी पार्टी-बहुजन समाज पार्टी गठबंधन के प्रत्याशी थे। चुनाव प्रचार के दौरान उन्होंने प्रशासनिक अधिकारियों के संबंध में विवादित टिप्पणी की थी। इसके बाद तत्कालीन जिला अधिकारी के निर्देश पर टांडा के उपजिलाधिकारी की ओर से भोट थाने में उनके विरुद्ध प्रकरण दर्ज कराया गया था।

जिला न्यायालय ने निचली अदालत के निर्णय को सही मानते हुए दोषसिद्धि और दो वर्ष की सजा को यथावत रखा। वहीं, अधिकारियों पर अन्य कथित आपत्तिजनक टिप्पणियों से जुड़े एक अलग प्रकरण में न्यायालय ने उन्हें पूर्व में मिली राहत को बरकरार रखा। इस मामले में निचली अदालत ने उन्हें दोषमुक्त कर दिया था, जिसके विरुद्ध दायर अपील भी खारिज कर दी गई।

दूसरा प्रकरण वर्ष 2019 के चुनाव प्रचार के दौरान तत्कालीन जिला अधिकारी, अपर जिला अधिकारी, उपजिलाधिकारी और नगर दंडाधिकारी के संबंध में की गई कथित टिप्पणियों से जुड़ा था। इस मामले में शिकायत दर्ज होने के बाद सुनवाई चली, लेकिन निचली अदालत ने उन्हें दोषमुक्त कर दिया था।

उल्लेखनीय है कि आजम खान और उनके पुत्र अब्दुल्ला आजम खान पहले से ही कूटरचित स्थायी खाता संख्या प्रकरण में दोषसिद्ध होने के बाद रामपुर कारागार में निरुद्ध हैं। इस मामले में उन्हें सात-सात वर्ष के कारावास की सजा सुनाई जा चुकी है।

रामनगर-देहरादून सीधी रेल सेवा का शुभारंभ

रेल मंत्री और मुख्यमंत्री ने दिखाई हरी झंडी, फिलहाल सप्ताह में दो दिन चलेगी रेलगाड़ी

नईदुनिया ब्यूरो, रामनगर: उत्तराखंड के रामनगर और देहरादून के बीच बहुप्रतीक्षित सीधी रेल सेवा शनिवार से प्रारंभ हो गई। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव और मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने वीडियो माध्यम से रामनगर-देहरादून एक्सप्रेस को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। फिलहाल यह रेलगाड़ी सप्ताह में दो दिन बुधवार और शुक्रवार को संचालित होगी।

इस अवसर पर रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा कि कुमाऊं और गढ़वाल उत्तराखंड के दो मजबूत स्तंभ हैं तथा यह नई रेल सेवा दोनों क्षेत्रों के बीच सेतु का कार्य करेगी।

उन्होंने बताया कि मुरादाबाद में रेल संबंधी कार्य जारी होने के कारण अभी सप्ताह में दो दिन संचालन किया जा रहा है। कार्य पूरा होने के बाद इसे प्रतिदिन चलाने का प्रयास किया जाएगा। उन्होंने ऋषिकेश-कर्णप्रयाग रेल परियोजना सहित राज्य में चल रही अन्य रेल परियोजनाओं की भी जानकारी दी।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि यह रेल सुविधा कुमाऊं और गढ़वाल के बीच संपर्क को और सुदृढ़ करेगी। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में रेलवे ने यात्री सुरक्षा, सुविधा, गति, दक्षता और क्षमता के क्षेत्र में उल्लेखनीय प्रगति की है।

रेल मंत्रालय के अनुसार रामनगर-देहरादून-रामनगर एक्सप्रेस प्रत्येक बुधवार और शुक्रवार को संचालित होगी। यह रेलगाड़ी रामनगर से सुबह 5:50 बजे प्रस्थान कर दोपहर 12:40 बजे देहरादून पहुंचेगी। वापसी में देहरादून से दोपहर 3:55 बजे रवाना होकर रात 11:30 बजे रामनगर पहुंचेगी। इससे यात्रियों को एक ही दिन में देहरादून जाकर अपना कार्य पूरा कर वापस लौटने की सुविधा मिलेगी। मार्ग में यह रेलगाड़ी काशीपुर, रोशनपुर, पीपलसाना, मुरादाबाद, नजीबाबाद और हरिद्वार में ठहरेगी।

रेलगाड़ी में सामान यान, सामान्य द्वितीय श्रेणी, शयनयान, वातानुकूलित तृतीय श्रेणी, वातानुकूलित द्वितीय श्रेणी, वातानुकूलित कुर्सीयान तथा सामान्य द्वितीय श्रेणी कुर्सीयान सहित विभिन्न श्रेणियों के डिब्बे लगाए गए हैं।

इस अवसर पर सांसद अनिल बलूनी ने कहा कि वर्षों पुरानी मांग पूरी होने से क्षेत्र के विकास को नई गति मिलेगी। नई रेल सेवा से पर्यटन, व्यापार, शिक्षा और रोजगार को बढ़ावा मिलेगा तथा स्थानीय लोगों को देहरादून तक सीधी और सुविधाजनक रेल यात्रा का लाभ प्राप्त होगा। समारोह में सांसद त्रिवेंद्र सिंह रावत, विधायक अरविंद पांडेय, विधायक योगम्बर सिंह रावत सहित अनेक जनप्रतिनिधि और बड़ी संख्या में नागरिक उपस्थित रहे।

जापान में 780 वर्ष पुरानी परंपरा का भव्य आयोजन

एक हजार किलोग्राम वजनी झांकियां कंधों पर उठाकर दौड़े युवक, लाखों श्रद्धालु और पर्यटक पहुंचे

टोक्यो, एजेंसी: जापान के फुकुओका शहर में लगभग 780 वर्ष पुरानी परंपरा के तहत 'हाकाता गियन यामाकासा' उत्सव का भव्य आयोजन किया गया। मान्यता है कि वर्ष 1241 में महामारी के समय बौद्ध भिक्षु शूइची कोकुशी ने पूरे नगर में पवित्र जल का छिड़काव किया था, जिसके बाद महामारी का प्रकोप थम गया। उसी घटना की स्मृति में यह उत्सव प्रतिवर्ष आयोजित किया जाता है। यह आयोजन संयुक्त राष्ट्र शैक्षिक, वैज्ञानिक एवं सांस्कृतिक संगठन की सांस्कृतिक विरासत सूची में भी शामिल है। इस वर्ष उत्सव को देखने के लिए लगभग 10 लाख पर्यटक और श्रद्धालु पहुंचे।

उत्सव में दो प्रकार की झांकियां निकाली जाती हैं। पहली सजावटी झांकी लगभग 10 मीटर ऊंची होती है, जिसे केवल प्रदर्शन के लिए रखा जाता है। दूसरी झांकी लगभग एक हजार किलोग्राम वजनी होती है, जिसे युवकों के समूह अपने कंधों पर उठाकर नगर की सड़कों पर दौड़ते हुए निर्धारित मार्ग पूरा करते हैं। इन झांकियों के निर्माण पर लगभग 55 लाख रुपये से लेकर दो करोड़ रुपये तक व्यय किया जाता है। इसके अतिरिक्त पारंपरिक वेशभूषा तथा अन्य व्यवस्थाओं पर भी बड़ी राशि खर्च होती है।

भीषण गर्मी के कारण मार्ग में खड़े लोग प्रतिभागियों पर ठंडा पानी डालते हैं, जिससे उनके शरीर का तापमान संतुलित बना रहता है और उनका उत्साह भी बढ़ता है। प्रतियोगिता में भाग लेने वाले युवक केवल पारंपरिक सूती जैकेट और विशेष लंगोट पहनते हैं, ताकि पानी पड़ने के बाद वस्त्र भारी न हों और दौड़ने में किसी प्रकार की असुविधा न हो। यह उत्सव जापान की सांस्कृतिक परंपरा और सामूहिक सहभागिता का प्रमुख प्रतीक माना जाता है।

न्यायालय से मिली अभिरक्षा के बाद पुलिस ने टिन्नू यादव और उसके भतीजे से की पूछताछ

राममंदिर चढ़ावा प्रकरण में आरोपियों से पूछताछ तेज

नईदुनिया ब्यूरो, अयोध्या: राममंदिर चढ़ावा प्रकरण में आरोपी रामशंकर यादव उर्फ टिन्नू और उसके भतीजे मनीष यादव को पुलिस ने न्यायालय से मिली 39 घंटे की अभिरक्षा के बाद पूछताछ के लिए जिला कारागार से अपने साथ ले लिया। शनिवार सुबह दोनों को कारागार से पुलिस पंक्ति ले जाया गया, जहां उनसे चोरी की पूरी घटना, धनराशि के उपयोग और अन्य तथ्यों के संबंध में पूछताछ की जा रही है। कारागार से बाहर निकलते समय दोनों ने गमछे से अपना चेहरा ढका हुआ था।

पुलिस अधिकारियों के अनुसार जांच का उद्देश्य यह पता लगाना है कि चढ़ावे की धनराशि किस प्रकार और कब निकाली गई तथा उसे कहां रखा गया। पुलिस ने शुक्रवार को सात दिन की अभिरक्षा का अनुरोध किया था, लेकिन न्यायालय ने 39 घंटे की अभिरक्षा की अनुमति दी।

रामशंकर यादव मंदिर के दानपात्रों की देखरेख करता था, जबकि उसका भतीजा मनीष चढ़ावे की गणना से जुड़ा हुआ था। पुलिस पहले ही रामशंकर के घर से एक लाख रुपये तथा मनीष के घर से दो लाख रुपये बरामद कर चुकी है। इससे पूर्व इस प्रकरण में छह अन्य आरोपियों से भी अभिरक्षा में पूछताछ की जा चुकी है। जांच के दौरान यह जानकारी भी सामने आई है कि रामशंकर यादव ब्याज पर धन देने का कार्य भी करता था। सूत्रों के अनुसार उसने अपने भतीजे के मकान निर्माण के लिए 30 से 35 लाख रुपये तथा एक व्यापारी को लगभग 20 लाख रुपये ब्याज पर दिए थे। हालांकि, इन तथ्यों की आधिकारिक पुष्टि पुलिस द्वारा नहीं की गई है और जांच जारी है।

उधर, चढ़ावा प्रकरण के बाद श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र में चल रहे 10 दिवसीय प्रायश्चित अनुष्ठान का शनिवार को दूसरा दिन रहा। इस दौरान 18 पुजारियों और पांच आचार्यों ने वैदिक मंत्रोच्चार, रुद्राभिषेक और हवन किया।

इसी बीच, अयोध्या पहुंचे शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद ने हनुमानगढ़ी में दर्शन-पूजन कर संतों से भेंट की।

रूस का यूक्रेन के बंदरगाहों पर हमले का दावा

मॉस्को, एजेंसी: रूस के रक्षा मंत्रालय ने दावा किया है कि उसकी सेना ने रातभर यूक्रेन के ओडेसा और चेर्नोमोर्स्क बंदरगाहों पर सैन्य कार्रवाई जारी रखते हुए वहां स्थित सैन्य आपूर्ति से जुड़े ठिकानों को निशाना बनाया। मंत्रालय के अनुसार, इन बंदरगाहों का उपयोग यूक्रेनी सशस्त्र बलों तक सैन्य सामग्री पहुंचाने के लिए किया जा रहा था। ओडेसा बंदरगाह पर ईंधन और स्नेहक सामग्री उतारने वाली सुविधाओं के साथ-साथ यूक्रेनी सेना के लिए बनाए गए ईंधन भंडारण टैंकों पर हमला किया गया। मंत्रालय का दावा है कि इन ठिकानों का उपयोग सैन्य आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए किया जा रहा था।

वर्षा का असर *लगातार वर्षा से 18 सड़कें बंद, केदारनाथ पैदल मार्ग पर भी गिरे पत्थर, प्रशासन राहत कार्य में जुटा...*

कैलाश मानसरोवर यात्रा मार्ग पर भूस्खलन, चौथा दल धारचूला में रुका

नईदुनिया ब्यूरो, पिथौरागढ़: उत्तराखंड में लगातार हो रही वर्षा का असर अब प्रमुख तीर्थ यात्राओं पर भी दिखाई देने लगा है। पिथौरागढ़ जिले में कैलाश मानसरोवर यात्रा मार्ग पर भूस्खलन होने से यात्रा का चौथा दल धारचूला में ही रोक दिया गया है। वहीं जिले की 18 सड़कें बंद हैं। दूसरी ओर रुद्रप्रयाग में केदारनाथ पैदल मार्ग पर भी कई स्थानों पर भूस्खलन और पत्थर गिरने की घटनाएं हुईं। हालांकि प्रशासन ने मलबा हटाकर पैदल यात्रा दोबारा शुरू करा दी है। पिथौरागढ़ जिले में गर्भाधार के समीप पहाड़ी दरकने से कैलाश मानसरोवर यात्रा मार्ग पर भारी मात्रा में मलबा और चट्टानें आ गईं, जिससे वाहनों की आवाजाही पूरी तरह बंद हो गई। इसके चलते चौथे दल को धारचूला में ही रोक दिया गया है। मार्ग खुलने के बाद ही श्रद्धालुओं को गुंजी के लिए रवाना किया जाएगा।

लगातार वर्षा के कारण कैलाश मानसरोवर मार्ग सहित जिले की 18 सड़कें मलबा आने से बंद हो गई हैं। इनमें तवाघाट-गुंजी, मुवानी-आलम दारमा, सोबला-उमचिया, बंगापानी-जाराजिबली तथा होकरा-नामिक जैसे प्रमुख मार्ग शामिल हैं। वहीं थल-मुनस्यारी मार्ग पर शुक्रवार रात मलबा गिरने से लगभग पांच घंटे तक यातायात बाधित रहा। शनिवार सुबह लगभग 10 बजे मार्ग खुलने के बाद आवागमन सामान्य हो सका।

सीमांत जिले में पिछले 15 दिनों से लगातार हो रही वर्षा के कारण धारचूला और मुनस्यारी क्षेत्र में अनेक सड़कें,

पैदल मार्ग तथा पुल प्रभावित हुए हैं। इससे स्थानीय लोगों और यात्रियों को कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। जिला आपदा प्रबंधन विभाग तथा सीमा सड़क संगठन की टीमें प्रभावित मार्गों से मलबा हटाने में जुटी हैं। मौसम अनुकूल रहने पर बंद मार्गों पर शीघ्र यातायात बहाल करने का प्रयास किया जा रहा है।

इस बीच कैलाश मानसरोवर यात्रा का पहला दल दर्शन कर सकुशल भारत लौट आया है। लिपुलेख दर्रे पर आवश्यक प्रक्रिया पूरी होने के बाद यात्रियों को भारतीय सुरक्षा एजेंसियों के हवाले किया गया। तीसरा दल शनिवार को लिपुलेख दर्रे से चीन में प्रवेश कर गया, जबकि दूसरा दल फिलहाल कैलाश परिक्रमा पर है। चौथे दल को मार्ग सामान्य होने के बाद आगे भेजा जाएगा।

रुद्रप्रयाग में गौरीकुंड-चीड़बासा पैदल मार्ग पर भी भूस्खलन के कारण कुछ समय के लिए यात्रा रोकी गई थी। मलबा हटाने के बाद पैदल यात्रा पुनः शुरू कर दी गई है, जबकि बड़े पत्थर हटाने का कार्य जारी रहने से घोड़े-खच्चरों का संचालन फिलहाल बंद रखा गया है। लगातार वर्षा के बीच राज्य की प्रमुख नदियों का जलस्तर भी बढ़ रहा है, जिससे प्रशासन संवेदनशील क्षेत्रों पर लगातार निगरानी बनाए हुए है।

एक दिन में रिकार्ड 16 इंच बारिश

छत्तीसगढ़ के बिलासपुर में बारिश का 93 साल पुराना रिकॉर्ड टूट गया। यहां 1993 में 14.93 इंच बारिश हुई थी। लेकिन शनिवार को 16 इंच बारिश हुई और ये रिकॉर्ड टूट गया। यूपी के लखनऊ, कानपुर और बाराबंकी समेत सभी 75 जिलों में बारिश का अलर्ट जारी किया गया। वाराणसी में गंगा नदी के जलस्तर में तेजी से बढ़ोतरी होने के बाद गंगा आरती की जगह बदलनी पड़ी है। झांसी में 15 मिनट की बारिश के बाद पारा 7 डिग्री तक कम हो गया। अरुणाचल प्रदेश में लगातार हो रही बारिश के कारण बाढ़ और भूस्खलन की स्थिति अब भी गंभीर बनी हुई है। पिछले 24 घंटों में अपर सुबनसिरी जिले के गिबा, निलिंग, चेतम और दापोरिजो सर्किलों के 35 गांवों में फ्लैश फ्लड और लैंडस्लाइड हुई। बाढ़ से अब तक 1,13,674 लोग प्रभावित हुए हैं।